फिर खुले लाल डायरी के पन्ने! हुई सचिन पायलट की एंट्री

जयपुर (कार्यालय संवाददाता)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव की मतगणना के दिन पास आने के साथ सियासत की तपिश बढ़ती जा रही है। एक बार फिर कथित लाल डायरी के मुद्दे ने कांग्रेस में हड़कंप मचा दिया हैं। इसमें आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत , पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के दिल्ली जाने की रेकी करवा रहे थे। गौरतलब है कि तेलंगाना में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर गहलोत का बयान अभी शांत नहीं हुआ।

उसी बीच राजस्थान की राजनीति में लाल डायरी के पन्ने ने फिर खलबली मचा दी है। इस डायरी में एक मीडिया चैनल के रिपोर्टर का भी जिक्र किया गया है।

फिर से जाग उठा लाल डायरी का जिन्न

मतगणना के दिन समीप आते ही कांग्रेस में एक के बाद एक बवाल उठते जा रहे हैं। यदि कांग्रेस रिपीट होती है तो सीएम कौन होगा, इस चर्चा के बीच फिर से यह बताया जा रहा है कि पूर्व मंत्री गुढ़ा ने लाल डायरी को लेकर एक पार्ट और रिलीज कर दिया है। इसमें सीएम गहलोत को लेकर यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इस डायरी में गहलोत की ओर से पायलट के दिल्ली जाने की रेकी करवाने की बात सामने आई है। इसके अलावा इस डायरी में यह भी खुलासा हुआ है कि गुड़गांव के एक फ्लैट और महरोली में दानिश अबरार के फार्म हाउस और सचिन पायलट की पूरी योजना की रिकॉर्डिंग करने की बात लिखी है।

लाल डायरी में सोनिया गांधी के भाई का भी जिक्र

गुढ़ा की ओर से दांवा किया है कि इस डायरी में सोनिया गांधी के भाई का जिक्र भी किया गया है। इसके अलावा लाल डायरी में लिखा है कि होटल शिव विलास के मालिक के बेटे के विवाह समारोह में सोनिया गांधी के भाई भी पहुंचे। इसी भाई के मुख्यमंत्री गहलोत से मुलाकात फिक्स करने के लिए ष्टरू के ओएसडी शशिकांत शर्मा से कहा गया।

आखिर यह भाई कौन था? इसको लेकर गुढ़ा ने आरोप लगाया कि यह कोई सोनिया गांधी का भाई नहीं था, बल्कि कोई दलाल था।

लाल डायरी में खुलासा पायलट की होती थी रैकी

लाल डायरी के एक पन्ने में पायलट का जिक्र करते हुए लिखा है कि सरकार गिराने की योजना बनाई जा रही है। आए दिन गुड़गांव में ककोई फ्लैट है और महरौली में दानिश अबरार का फार्म हाउस पर रूककर ऐसी गतिविधियां कर रहा है।

इसी पन्ने में आगे लिखा है कि तब सीएम साहब बोले तुम कोई ऐसी व्यवस्था करो कि सचिन पायलट की पूरी योजना की रिकॉर्डिंग मिल जाए। इसमें यह भी कहा गया है कि सचिन पायलट पर नजर रखें कि सचिन पायलट इधर से कब दिल्ली जा रहा है?

2024 में प्र.म. मोदी का 'ब्रह्मास्त्र' होगी पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना?

केंद्र सरकार ने 5 साल के लिए बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच सालों के लिए बढ़ा दिया है। यह योजना कोरोनाकाल के दौरान शुरू की गई थी और प्र.म. मोदी ने पांच राज्यों की चुनावी रैलियों के दौरान भी योजना का ज़िक्र किया था। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक प्रेस कांफ्रेस करते हुए कहा, यह मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है कि पिछले पांच सालों में लगभग 13.50 करोड़ भारतीय गरीबी स्तर से ऊपर उठे हैं। इसी तरह कोविड-19 महामारी के दौरान प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की गई थी जिसका काफी असर देखा गया है, कैबिनेट ने यह निर्णय लिया है कि इस योजना को 1 जनवरी 2024 से अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाया जाएगा।

प्र.म. मोदी ने कर दिया था ऐलान

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी मौसम के बीच मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाने की घोषणा की थी। इस योजना के तहत पिछले तीन सालों से देश में गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। अब जब एक महीने के भीतर यह मुफ्त राशन योजना समाप्त हो रही है तो सरकार का यह ऐलान राहत की बात मानी जा रही है। प्र.म. ने मध्यप्रदेश में कहा था, अगले पांच साल तक मेरे देश के 80 करोड़ लोगों के घर का चूल्हा जलता रहेगा। यह मोदी की गारंटी है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 (एनएफएसए) के तहत पात्र राशन कार्ड धारकों को 5 किलो मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान 2020 में इस योजना की शुरूआत की गई थी। 2022 के आखिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले योजना को दिसंबर 2022 तक और फिर एक और साल के लिए दिसंबर 2023 तक बढ़ा दिया गया था। सरकार ने इसे फिर से पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। यूपीए की योजना एनएफएसए का इस ही में विलय कर दिया गया था। यह योजना भी एनएफएसए तहत दो प्रकार के राशन कार्ड धारकों को कवर करती है।

फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे मनीष सिसोदिया

जज साहब, एक बार दोबारा से विचार कीजिए...

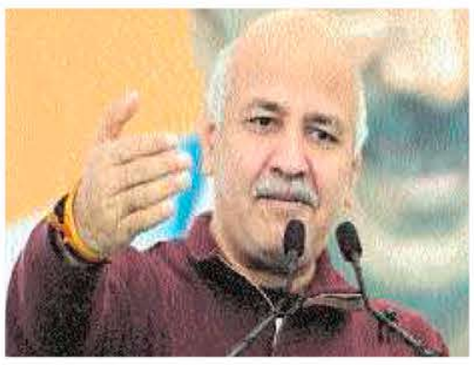

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने से इनकार करने के सुप्रीम कोर्ट शीर्ष अदालत के 30 अक्टूबर के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर की है. यह याचिका मनीष सिसोदिया के वकील विवेक जैन ने 24 नवंबर को दायर की थी. आपको बता दें कि जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ ने 30 अक्टूबर को सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था.सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर निचली अदालत में ट्रायल मे देरी होती है तो सिसोदिया तीन महीने बाद जमानत याचिका दाखिल कर सकते है

सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि विश्लेषण में कुछ ऐसे पहलू हैं जो संदिग्ध हैं और 338 करोड़ रूपये ट्रांसफर साबित होता है, इसलिए हमने जमानत खारिज कर दी है। पीठ ने कहा था कि अगर आने वाले 6 महीनों में सुनवाई धीमी गति से आगे बढ़ती है तो वह (मनीष सिसोदिया) इस अदालत का रूख कर सकते हैं. शराब घोटला मामले में सिसोदिया इस साल 26 फरवरी से जेल में हैं. उनकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों द्वारा की जा रही है। इस घोटाले में मनीष सिसोदिया पर आरोप है कि दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने रिश्वत के बदले कुछ व्यापारियों को शराब लाइसेंस देने में मिलीभगत की थी. आरोपी अधिकारियों पर कुछ शराब विक्रेताओं को फायदा पहुंचाने के लिए आबकारी नीति में बदलाव करने का आरोप है. दिल्ली हाईकोर्ट ने पहले दो केंद्रीय एजेंसियों द्वारा उनके खिलाफ मामलों में सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद आप नेता ने राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट का रूख किया था.

इस मामले की सुनवाई के दौरान, पीठ ने ईडी से कहा था कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (प्र.म.एलए) के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए प्री-डेटिंग अपराध की तारीख तय की जानी चाहिए और ईडी कोई प्री-डेटिंग अपराध नहीं बना सकता है. पीठ ने सीबीआई और ईडी से जानना चाहा था कि क्या रिश्वतखोरी का कोई सबूत है जो कथित घोटाले में मनीष सिसोदिया को फंसा सकता है?

नासा अगले साल भारतीय एस्ट्रोनॉट को स्पेस स्टेशन पर भेजेगा

इसरो एस्ट्रोनॉट को चुनेगा, अमेरिकी स्पेस एजेंसी ट्रेनिंग देगी

वाशिंगटन/बेंगलुरू (एजेंसी)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा भारतीय एस्ट्रोनॉट को अगले साल तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) पर भेजेगा। एस्ट्रोनॉट का चयन इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) करेगा। नासा एस्ट्रोनॉट की ट्रेनिंग में सहयोग करेगा। भारत दौरे पर आए नासा के चीफ बिल नेल्सन ने इसकी घोषणा की।

दोनों स्पेस एजेंसी मिलकर मिशन की डिटेल्स पर काम कर रही हैं। 1984 में राकेश शर्मा रूसी यान से स्पेस (अंतरिक्ष) में गए थे। वे स्पेस में जाने वाले पहले भारतीय हैं। नासा चीफ ने कहा- भारत अमेरिका का एक अहम पार्टनर है। साथ ही स्पेस में एस्ट्रोनॉट से जुड़ी एक्टिविटीज के लिए भी भारत भविष्य में एक अहम भूमिका निभा सकता है। मीडिया से बातचीत में नेल्सन ने उस पल के बारे में भी बताया जब उन्होंने पहली बार अंतरिक्ष से भारत को देखा था। वे 1986 में कोलंबिया स्पेस शटल से अंतरिक्ष यात्रा पर गए थे। बिल ने कहा- मैंने पहली बार भारत को अंतरिक्ष से ही देखा था। सबसे पहले मैंने श्रीलंका को देखा। फिर मैंने उससे थोड़ा ऊपर नजर उठाई तो मुझे पूरा भारत दिखाई दिया। देश के सबसे ऊपर हिमालय था। पूरा नजारा स्वर्ग जैसा था।

भारत को स्पेस स्टेशन बनाने में मदद करने को तैयार नासा

चंद्रयान-3 पर बात करते हुए बिल नेल्सन ने कहा- अमेरिका अगले साल चांद के साउथ पोल पर कई प्राइवेट लैंडर लॉन्च करने वाला है। लेकिन भारत ऐसा करने वाला पहला देश था। इस पर वो बधाई के पात्र हैं। भारत की यात्रा के दौरान नेल्सन ने अंतरिक्ष विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री जीतेंद्र सिंह से भी मुलाकात की। नेल्सन ने कहा- भारत 2040 तक स्पेस स्टेशन बनाना चाहता है। अगर वे इस पर हमारे साथ मिलकर काम करना चाहेंगे, तो हम इसके लिए तैयार हैं।

एक इंटरव्यू में प्र.म. मोदी की एस्ट्रोनॉट बनने की पॉसिबिलिटी पर नेल्सन ने कहा- मैं जब अंतरिक्ष में गया था तब एक राजनेता ही था। क्करू मोदी तो अंतरिक्ष प्रेमी हैं। किसी भी राजनेता के लिए अंतरिक्ष में उड़ान भरना एक अहम अनुभव है, खासकर जब वे एक देश के प्रधान हों। अंतरिक्ष में कोई राजनैतिक, धार्मिक या जातीय सीमाएं नहीं होती हैं। हम सब धरती के नागरिक होते हैं।

नासा-इसरो मिलकर लॉन्च करेंगे एक अरब डॉलर की सैटेलाइट

नासा और इसरो मिलकर अगले साल के शुरूआती क्वार्टर में नासा-इसरो सिंथेटिक अपेचर रडार भी लॉन्च करने वाले हैं। यह दुनिया की सबसे महंगी सैटेलाइट्स में से एक होगी। इसकी कीमत करीब एक अरब डॉलर है। इस सैटेलाइट का इस्तेमाल पृथ्वी की सतह और उसकी जलवायु का निरीक्षण करने के लिए होगा।

धरती पर जमीन या पानी में होने वाले किसी भी तरह के बदलाव पर इसकी नजर होगी। इससे पृथ्वी के भविष्य को लेकर अहम जानकारियां जुटाने में मदद मिलेगी।

भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा से मिले नासा चीफ

भारत दौरे पर पहुंचे नासा प्रमुख बिल नेल्सन ने इसरो में छात्रों और अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाले पहले भारतीय राकेश शर्मा से मुलाकात की। राकेश शर्मा से मिलने के बाद उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मानजनक है। उनकी मौजूदगी कमरे को रोशन कर रही थी। अपने सोशल मीडिया ङ्ग पर नासा प्रमुख बिल नेल्सन ने कहा, अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाले पहले भारतीय राकेश शर्मा के साथ आज बेंगलुरू में छात्रों के साथ बात करना एक बड़ा सम्मान था। उनकी मौजूदगी कमरे को रोशन कर रही थी। उनका अंतरिक्ष तक का सफर आने वाली पीढ़ी के लिए एक नजीर है, जो बताता है कि बड़े सपने देखने और सितारों तक पहुंचना नामुमकिन नहीं है।

मेरा ट्रांसलेटर बनना खतरनाक काम : राहुल

तेलंगाना प्रचार के दौरान मैं हिंदी के 5 शब्द कहता था, तेलुगु ट्रांसलेटर उसे 30 शब्द में कहते थे

कोझिकोड (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना चुनाव प्रचार से जुड़ा मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि मेरा ट्रांसलेटर बनना बहुत खतरनाक काम है। तेलंगाना में मेरा स्पीच ट्रांसलेट करते वक्त एक ट्रांसलेटर मुश्किल में पड़ गया था। राहुल ने ये बातें केरल के कोझिकोड में दिवंगत मुस्लिम लीग नेता पी सतीश हाजी पर लिखी गई एक किताब के लॉन्च प्रोग्राम में कहीं। इस दौरान इंडियन मुस्लिम यूनियन लीब के सांसद अब्दुसमद समादानी ने राहुल की स्पीच को तेलुगु में ट्रांसलेट किया।

मैं हिंदी में कुछ बोरिंग कहता था, तेलुगु में उसे सुनकर लोग खुश होते थे

राहुल ने कहा कि मैं वहां हिंदी के पांच शब्द कहता था और सोचता था कि तेलुगु में पांच या सात शब्दों में इनका अनुवाद हो जाएगा। लेकिन मेरे ट्रांसलेटर 20, 25 या 30 शब्द कह देते थे। कभी कभी मैं कुछ बहुत बोरिंग कहता था, लेकिन तेलुगु में वही बात सुनकर लोग खुशी से झूमते थे। कभी मैं कुछ बढ़िया बात कहता था, लेकिन लोग चुप रह जाते थे। राहुल ने कहा कि स्टेज पर रहते वक्त मुझे पूरे समय मुस्कराते रहना पड़ता था क्योंकि मैं कुछ कह नहीं सकता था।

माता-पिता को समझने के लिए बच्चों को समझता हूं

इस मौके पर राहुल ने कहा कि नेता बहुत स्मार्ट होते हैं और वही दिखाते हैं जो वो दिखाना चाहते हैं। कई बार वे सादा कपड़े और सस्ती सी घड़ी पहनकर आते हैं। लेकिन जब मैं उनके घर जाऊं तो मुझे वहां बीएमडब्ल्यू खड़ी मिलती है। ऐसे में नेताओं की असली सोच का पता लगाने के लिए मैंने एक तरकीब निकाली है। मैं नेताओं को उनके बच्चों के जरिए समझता हूं। राहुल बोले कि जब मैं किसी से मिलता हूं तो मैं उनसे साधारण सवाल पूछता हूं। मैं उनसे पूछता हूं कि क्या वे अपने बच्चों को मुझसे मिलने भेज सकते हैं। मैं उन्हें बताता हूं कि मैं उनके बच्चों से इसलिए मिलना चाहता हूं क्योंकि बच्चों से आप सच नहीं छिपा सकते हैं।

ICICI Home Finance

कॉरपोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड आईसीआईसीआई एचएफसी टॉवर, अंधेरी - कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400059, भारत

शाखा कार्यालय: चौथी मंज़िल, भास्कर हाइट्स बिल्डिंग, फ्रंट फेसिंग, ऑफिस नंबर 1, कल्याण अस्पताल के पास, सिल्वर जुबली रोड, सीकर- 332001
शाखा कार्यालय: पहली मंज़िल, सोनी टॉवर, रोड नंबर 2, मेव बोर्डिंग के पास, अलवर- 301001
शाखा कार्यालय: तीसरी मंज़िल, कमल टावर, ओल्ड कोर्ट हॉस्पिटल के सामने, नागौर, राजस्थान- 341001
शाखा कार्यालय: प्लॉट नंबर 1, पहली मंज़िल, सहयोग भवन, एरोड्रम सर्कल, कोटा- 324007

(नियम 8(6) के प्रावधान देखें)

अचल मालमत्ता के बिक्री के लिए सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधान के साथ पढ़ी जाती है।
इसके द्वारा आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) और गारंटर(ओं) को नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/चार्ज की गई है, जिसका भौतिक कब्ज़ा इसके प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है। आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड को यहां दिए गए संक्षिप्त विवरण के अनुसार, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है जो है', और 'जो कुछ भी है' पर बेचा जाएगा;

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार कानूनी उत्तराधिकारी का नाम कर्ज खाता क्रमांक	सुरक्षित परिसंपत्ति (संपत्तियों) का विवरण जिसमें ज्ञात संपत्ति हो, कोई हो।	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / बयाना राशि	संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	प्रदीप कुमार (उधारकर्ता) सुनीता देवी (सह-उधारकर्ता) महेंद्र सिंह (सह-उधारकर्ता) ऋण खाता संख्या LHSIK00001354734 और LHSIK00001354605	फ्लैट नंबर 602 छठी मंज़िल छत के साथ धनखड़ रेजीडेंसी प्लॉट नंबर बी-65 अग्रसेन सर्कल झुंझुनू तहसील और जिला झुंझुनू राजस्थान में स्थित है।	रु. 49,05,599/- 20 नवंबर, 2023	रु. 29,41,142/- / रु. 2,94,120/-	11 दिसंबर, 2023 सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक	19 दिसंबर, 2023 02:00 अपराह्न- 03:00 अपराह्न
2.	मोहम्मद इरशाद (उधारकर्ता) शाहनाज़ (सह-उधारकर्ता) ऋण खाता संख्या LHAWR00001339494 और LHAWR00001339509	1432 1433 2075 1386 1387 1397 1400 1404 धिकानी अलवर ना अलवर राजस्थान- 301001	रु. 9,80,897/- 20 नवंबर, 2023	रु. 4,91,164/- / रु. 49,120/-	11 दिसंबर, 2023 सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक	19 दिसंबर, 2023 02:00 अपराह्न- 03:00 अपराह्न
3.	हिंगलाज दान (उधारकर्ता) विमल कंवर (सह-उधारकर्ता) ऋण खाता संख्या LHBKR00001333721	खसरा नंबर 85 मौज़ा अमरपुरा तहसील व ज़िला नागौर नागौर ना ना नागौर	रु. 12,83,740/- 20 नवंबर, 2023	रु. 8,73,269/- / रु. 87,330/-	11 दिसंबर, 2023 सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक	19 दिसंबर, 2023 02:00 अपराह्न 03:00 अपराह्न
4.	करण बंसीवाल (उधारकर्ता) पार्वती बाई (सह-उधारकर्ता) ऋण खाता संख्या LHKOT00001344368 और LHKOT00001344226	ना विष्णु विहार माल कल्याणपुरा ना बारां- 325205	रु. 22,80,396/- 20 नवंबर, 2023	रु. 13,18, ,275/- / रु. 1,31,830/-	11 दिसंबर, 2023 सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक	19 दिसंबर, 2023 02:00 अपराह्न- 03:00 अपराह्न
5.	सिकंदर हुसैन (उधारकर्ता) नज़मा बानो (सह-उधारकर्ता) ऋण खाता संख्या NHMAK00000915424 और NHMAK00000857095	पट्टा संख्या 93 और 44, माक देशवालियों का बास बोरावाड, नागौर, मकराना, राजस्थान	रु. 33,23,606/- 20 नवंबर, 2023	रु. 24,00,076/- / रु. 2,40,010/-	11 दिसंबर, 2023 सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक	19 दिसंबर, 2023 02:00 अपराह्न- 03:00 अपराह्न
6.	शंकर लाल (उधारकर्ता) मंजू देवी (सह-उधारकर्ता) ऋण खाता संख्या NHYDW00001046954 और NHYDW00000842858	एच नंबर 3048/2 प्लॉट नंबर 354/बी गणपति नगर डीडवाना राजस्थान-341303	रु. 23,42,176/- 20 नवंबर, 2023	रु. 11,54, ,530/- / रु. 1,15,460/-	11 दिसंबर, 2023 सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक	19 दिसंबर, 2023 02:00 अपराह्न 03:00 अपराह्न

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी एजन्सी **ग्लोब टेक (यूआरएल लिंक https://BestAuctionDeal.com)** के वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। गिरवी रखने वाले/सूचना कुल थकबाकी रकम का **18 दिसंबर, 2023** को **शाम 05.00** तक आगे के ब्याज के साथ प्रदान करने के लिए सूचना दी जाएगी अन्यथा, सदर प्रतिभूत मालमत्ता की अनुसूची अनुसार बिक्री की जाएगी।
प्रस्तावित बोलीदार सदर बयाना राशी जमा के साथ (रकाना क्र. ई) में संदर्भित) मुहरबंद लिफाफा में सुपरस्क्राईब्ड मालमत्ता के खरीद के लिए प्रस्ताव उनके प्रस्ताव **आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, चौथी मंजिल, भास्कर हाइट्स बिल्डिंग, फ्रंट फेसिंग, ऑफिस नंबर 1, कल्याण अस्पताल के पास, सिल्वर जुबली रोड, सीकर- 332001** तहत **दि. 18 दिसंबर, 2023** को **शाम 04.00** तक भेजे एवं पेश करें। कृपया प्रस्तावित बोलीदार उपरी निर्देशित समय के अनुसार उनके प्रस्ताव निविदा दस्तावेज के हस्ताक्षरित प्रति **आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, चौथी मंजिल, भास्कर हाइट्स बिल्डिंग, फ्रंट फेसिंग, ऑफिस नंबर 1, कल्याण अस्पताल के पास, सिल्वर जुबली रोड, सीकर- 332001** तहत **दि. 18 दिसंबर, 2023** को **शाम. 5.00 बजे** के पहले पेश करें। बयाना रकम जमा ड्राफ्ट (डीडी) राष्ट्रीयकृत/शेड्युल्ड बैंक से योग्य निलामी आयोजन **आईसीआईसीआई होम फायनान्स कंपनी लि.** - निलामी के नाम से **झुंझुनू, अलवर, नागौर, बारां, डीडवाना** तहत पेश करें।
जांच के संबंध में अधिक जानकारी के लिए, निलामी के नियम एवं शर्ते एवं निविदा को पेश करने के लिए कृपया **आईसीआईसीआई होम फायनान्स कंपनी लिमिटेड** के मो. क्र. 022-69974300 पर या हमारे **सेल्स एंड मार्केटिंग पार्टनर नेक्सलेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** पर सम्पर्क करें।
प्राधिकृत अधिकारी के पास कोई भी कारण न देकर सर्व बोली रद्द करने का अधिकार आरक्षित हैं। बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के वेबसाइट **https://www.icicihfc.com/** से सम्पर्क करें।

दिनांक : 01 दिसंबर 2023
स्थान : झुंझुनू, अलवर, नागौर, बारां, डीडवाना

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई होम फायनान्स कंपनी लिमिटेड